

रा. प्र. सं. १५५/१८ काद्यो किं. ५/१८ नरकाट

४.४.१९

मुद्रालय रज. प्रार्थी वी- २२  
अपील विस्तृत विवेचन के साथ  
स्वार्थी वी- १० मुद्रा की व. अनुसूची  
उत्तम प्रार्थना पत्र भी स्वार्थी  
विषय जाना ही प्रज्ञापत्री पेंसल  
मुद्रा ही नंबर से रज. होकर  
दाखिल दफतर ही

  
अपर कलक्टर, नागौर

